भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1507

29 जुलाई, 2025 को उत्तरार्थ

विषय: मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण और इसका प्रभाव

1507. श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरेः

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2024-25 के दौरान महाराष्ट्र राज्य और वहां के रायगढ़ लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में किसानों को वितरित किए गए मृदा स्वास्थ्य काडों की संख्या, राज्यवार और जिलावार कितनी है;

(ख) वर्ष 2024-25 के दौरान महाराष्ट्र में एकत्रित और परीक्षण किए गए मृदा नमूनों की, विशेषकर रायगढ़ संसदीय क्षेत्र के लिए जिलावार संख्या कितनी है;

(ग) महाराष्ट्र में किसानों के बीच फसल की पैदावार और उर्वरक के उपयोग पर मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का क्या प्रभाव पड़ा है; और

(घ) क्या सरकार को राज्य के दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों में इस योजना को लागू करने में किसी चुनौती का सामना करना पड़ा है और यदि हाँ, तो इन चुनौतियों से निपटने के लिए की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) और (ख): वर्ष 2024-25 के दौरान महाराष्ट्र में एकत्रित, परीक्षण किए गए मिट्टी के नमूनों और किसानों को वितरित किए गए मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एसएचसी) का जिलावार विवरण **अनुबंध** पर दिया गया है। वर्ष 2024-25 के दौरान रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र में 14551 मिट्टी के नमूने एकत्र किए गए, 14510 मिट्टी के नमूनों का परीक्षण किया गया और मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए।

(ग): अब तक, महाराष्ट्र में किसानों को कुल 2.75 करोड़ एसएचसी वितरित किए गए हैं। महाराष्ट्र सरकार ने सूचित किया है कि इस स्कीम ने किसानों को संतुलित तरीके से उपयुक्त उर्वरकों का उपयोग करने में सक्षम बनाया है। इससे फसल की पैदावार में वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी), नई दिल्ली ने वर्ष 2017 में 19 राज्यों (महाराष्ट्र सहित) के 76 जिलों में 170 मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं और 1700 किसानों को शामिल करते हुए 'भारत में मृदा स्वास्थ्य कार्ड के तेजी से वितरण के लिए मृदा परीक्षण अवसंरचना' पर एक अध्ययन किया। अध्ययन से पता चलता है कि एसएचसी सिफारिशों के अनुसार, उर्वरक और सूक्ष्म पोषक तत्वों के अनुप्रयोग के परिणामस्वरूप, 8-10% की सीमा में रासायनिक उर्वरक के उपयोग में कमी आई है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड की सिफारिशों के अनुसार उर्वरक और सूक्ष्म पोषक तत्वों के प्रयोग से फसलों की उपज में कुल मिलाकर 5-6% की वृद्धि दर्ज की गई।

(घ): महाराष्ट्र के दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों में इस स्कीम के कार्यान्वयन में कोई बड़ी चुनौती नहीं आई।

अनुबंध

वर्ष 2024-25 के दौरान महाराष्ट्र में एकत्रित, परीक्षण किए गए मिट्टी के नमूनों और किसानों को वितरित किए गए मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एसएचसी) का जिलावार विवरण

क्रम सं.	ज़िला	एकत्रित मिट्टी के नमूनों की संख्या	परीक्षण किए गए मृदा नमूनों की संख्या और किसानों को जारी किए गए मृदा स्वास्थ्य कार्ड
1	अहिल्यानगर	19500	19500
2	अकोला	13501	12339
3	अमरावती	19417	11646
4	बीड	17000	14174
5	भंडारा	13268	13248
6	बुलढाना	18500	18500
7	चंद्रपुर	21497	21477
8	छत्रपति संभाजीनगर	15118	15089
9	धाराशिव	14999	14999
10	धुले	11000	12663
11	गडचिरोली	18000	16036
12	गोंदिया	11414	10876
13	हिंगोली	11498	11430
14	जलगांव	21433	19854
15	जलना	15000	15000
16	कोल्हापुर	15624	12695
17	लातूर	16000	16001
18	नागपुर	17974	15109
19	नांदेड़	21961	21524
20	नंदुरबार	12500	12500
21	नासिक	20770	20762
22	पालघर	7787	5906
23	परभनी	15376	14890
24	पुणे	18500	18500
25	रायगढ़	16500	16470
26	रत्नागिरि	8956	8731
27	सांगली	15462	15456
28	सतारा	16454	15618
29	सिंधुदुर्ग	8658	7918
30	सोलापुर	17000	16967
31	ठाणे	10122	9564
32	वर्धा	11415	11402
33	वाशिम	13000	13002
34	यवतमाल	12837	7861
कुल		518041	487707

स्रोत: मृदा स्वास्थ्य कार्ड पोर्टल

*****